मुंबई□ महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने सुझाव दिया कि मुंबई क्रिकेट संघ (□ मसी□) अंतर कालेज और अंतर स्कूल प्रतियोगिता को 15 खिला□ियों की प्रतियोगिता बनाकर अपने प्रतिभा पूल में इजाफा कर सकता है□

तेंदुलकर ने कल यहां उन्हे सम्मानित करने के ला□ □ मसी□ द्वारा आयोजित समारोह के दौरान कहा, ''मुंबई क्रिकेट विरोधियों से आगे कैसे रह सकता है□ इस बारे में □ कदिन मै और मेरा भाई घर में बात कर रहे थे□ मुझे लगता है कि □ मसी□ को सुझाव देने के ला□ यह सर्वश्रेष्ठ मंच है□ ''

उन्होंने कहा, ''अंतर स्कूल और अंतर कालेज मैचों में हम 11 सदस्यीय टीमों की जगह 15 खिला□ियों को खिला सकते है□ जब कोई ल□का इस उम्मीद के साथ प्रत्येक दिन घर से निकलता है कि वह खेलेगा और कुछ करेगा, तब अधिकतर समय उसे पता ही नहीं होता कि वह खेलेगा भी या नहीं□ ''

इस महान बल्लेबाज ने कहा कि कई बच्चे उतने प्रतिभावान नहीं होते लेकिन वह कुछ मैचों में खेलने और मौका दि□ जाने के हकदार है□

महान क्रिकेटर ने साथ ही कहा कि अन्य राज्य क्रिकेट संघ भी इस सलाह पर अमल कर सकते है□

तेंदुलकर ने कहा, ''जाइल्स शील्ड और हैरिस शील्ड नाकआउट टूर्नामेंट है□ आपको नहीं पता कि आपको कितने मैच खेलने को मलिंगे□ मै सोचता हूं कि कैसे प्रत्येक खिला□ी को कम से कम तीन मैच खेलने को मिले□ यह जाइल्ड शील्ड में हो सकता है, हैरिस शील्ड में या फिर अंतर कालेज टूर्नामेंट में□ खिला□ी जब तक कमाने नहीं लग जाता और अपने पैर में ख□ा नहीं होता तब तक□ मसी□ को इन क्रिकेटरों का समर्थन करना चाहि□ ''

इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि इससे खिला□ियों की भी परीक्षा होगी क्योंकि उन्हें विविध गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने का मौका मिलेगा□

तेंदुलकर का 14 वर्षीय बेटा अर्जुन पिछले साल मुंबई की अंडर 14 टीम का हिस्सा था और उन्होंने कहा कि वह यह सुझाव अपने बेटे के कारण नहीं दे रहे□

उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी पता है कि कहीं से यह सवाल उठ सकता है कि अर्जुन खेल रहा है इसलि□ मैं यह सुझाव दे रहा हूं लेकिन ऐसा कुछ नहीं है□ मेरे साथ कई क्रिकेटर खेले हैं जिन्हें अपने परिवार का पालन करना था और इसी तरह कई थे जिन्हें अपने परिवार का समर्थन हासिल नहीं था□ कुछ ऐसे लोग भी थे जिन्होंने क्रिकेट खेलने के लि□ घर छो□ दिया लेकिन सफल नहीं हु□□ लेकिन उन्होंने क्रिकेट के प्रति अपने जुनून के लि□ घर छो□ा और अपने जुनून को जिंदा रखा□ ''

(भाषा)